

शैक्षिक सत्र-2026-27  
विषय-शिक्षाशास्त्र  
कक्षा-12

100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र 3 घण्टे का होगा।

न्यूनतम उत्तीर्णांक 33

खण्ड-क (अंक 50)

(आधुनिक शैक्षिक विचारधारा का विकास)

इकाई-1-शैक्षिक विचारधारा का विकास 20 अंक

- (क) प्राचीन, मध्यकालीन एवं अर्वाचीन समय में शिक्षा का संक्षिप्त पुनर्निरीक्षण।  
(ख) भारतीय शिक्षक पंडित मदन मोहन मालवीय, एनीबेसेन्ट, महात्मा गांधी और रवीन्द्र नाथ टैगोर।

इकाई-2-(क) पर्यावरण शिक्षा अवधारणा स्वरूप, आवश्यकता, महत्व, प्रदूषण की समस्याएँ एवं उनका निराकरण। 15 अंक

- (ख) पर्यावरण को प्रभावित करने वाली प्राकृतिक आपदाएँ यथा आग, सूखा, बाढ़, भूकम्प, समुद्री लहरें, सड़क दुर्घटनाएँ आदि की मूलभूत जानकारीयाँ, उनके प्रभाव तथा बचाव के उपाय।

इकाई-3-शिक्षा की समस्याएँ शिक्षा का प्रसार, शैक्षिक स्तर, बालिकाओं की शिक्षा एवं सामाजिक शिक्षा, जनसंख्या। 15 अंक

खण्ड-ख

50 अंक

(शिक्षा मनोविज्ञान)

इकाई-4-सीखना (क) अर्थ, सीखने की प्रक्रिया, प्रयास एवं त्रुटि, सूझ, सम्बन्ध, प्रत्यावर्तन के सिद्धान्त, सीखने के लिये नियम, (ख) प्रेरणा, अर्थ एवं सीखने में इनका स्थान, (ग) रुचि एवं अवधान (घ) पुरस्कार एवं दण्ड। 20 अंक

इकाई-5-मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य के व्यावसायिक निर्देशन उनके अर्थ एवं महत्व। 15 अंक

इकाई-6-परीक्षण एवं निर्देशन (क) बुद्धि का सामान्य ज्ञान, अर्थ, स्वरूप एवं वर्गीकरण एवं परीक्षण। 15 अंक

- (ख) उपलब्धि परीक्षण एवं प्रकार व्यक्तित्व-अर्थ, प्रकार तथा व्यक्तित्व परीक्षण।  
(ग) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन-उनके अर्थ एवं महत्व।

पुस्तकें-

कोई पुस्तक निर्धारित या संस्तुत नहीं की गई है। विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापकों के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।

उपचारात्मक शिक्षण हेतु चार यूनिट टेस्ट निम्नलिखित हैं-

(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह 20 अंक

(10 अंक ग्रीष्मावकाश गृहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)

(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह 20 अंक

नोट- उपरोक्त यूनिट टेस्ट उपचारात्मक शिक्षण के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर लिये जायेंगे। इनके प्राप्तांक परीक्षफल में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे।